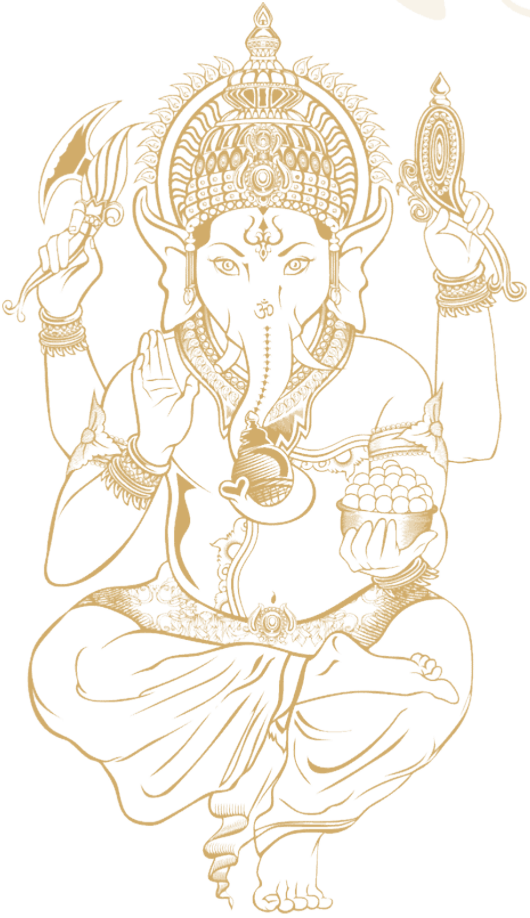

Ms.

09 Oct 1962

03:00 PM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121885105

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**09/10/1962**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**15:00:00 घंटे**
इष्ट	21:06:33 घटी
स्थान	**Jodhpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:18:00 उत्तर
रेखांश	73:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:22:32 घंटे
वेलान्तर	00:12:33 घंटे
साम्पातिक काल	15:32:38 घंटे
सूर्योदय	06:33:22 घंटे
सूर्यास्त	18:16:07 घंटे
दिनमान	11:42:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	22:16:44 कन्या
लग्न के अंश	18:32:34 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शूल
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	गा-गामिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	18:32:34	423:36:36	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
सूर्य			कन्या	22:16:44	00:59:16	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	सम राशि
चंद्र			मक	24:41:46	14:11:31	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	सम राशि
मंगल			कर्क	05:16:31	00:32:21	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	नीच राशि
बुध	व	अ	कन्या	16:33:40	00:59:59	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
गुरु	व		कुंभ	10:09:20	00:03:56	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
शुक्र			वृश्चि	00:55:57	00:27:30	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	सम राशि
शनि	व		मक	11:25:42	00:00:02	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	स्वराशि
राहु	व		कर्क	13:02:38	00:01:12	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	13:02:38	00:01:12	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			सिंह	10:15:05	00:03:01	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	---
नेप			तुला	18:52:48	00:02:03	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
प्लूटो			सिंह	17:44:21	00:01:47	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	---
दशम भाव			वृश्चि	02:09:45	--	विशाखा	--	16	मंगल	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:19:58

लग्न-चलित

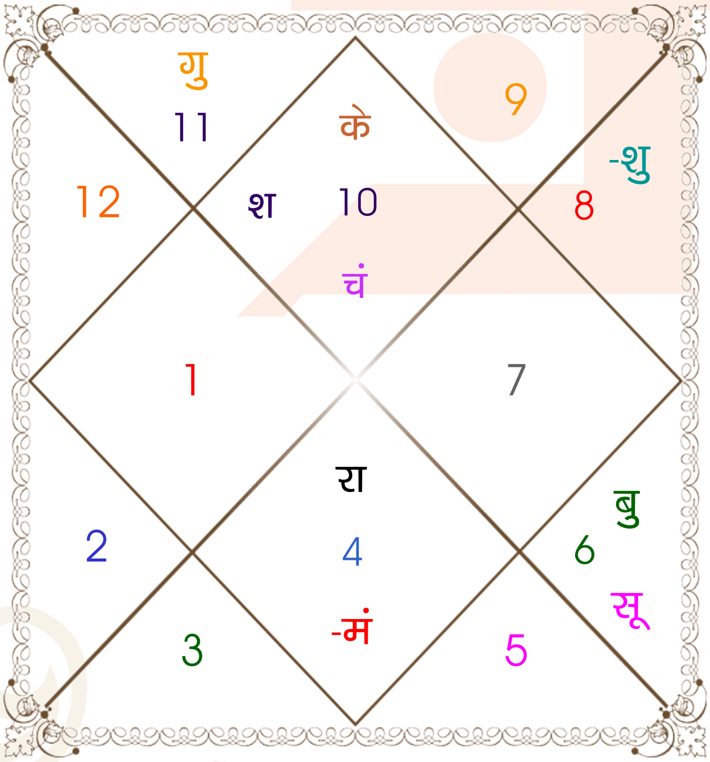

चन्द्र कुंडली

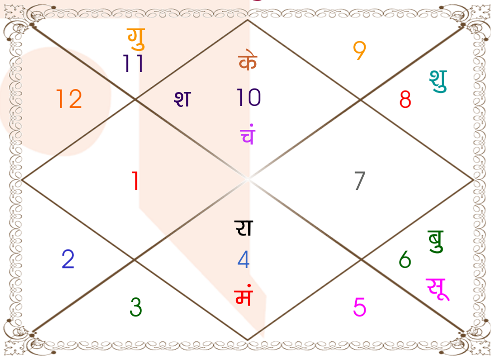

नवमांश कुंडली

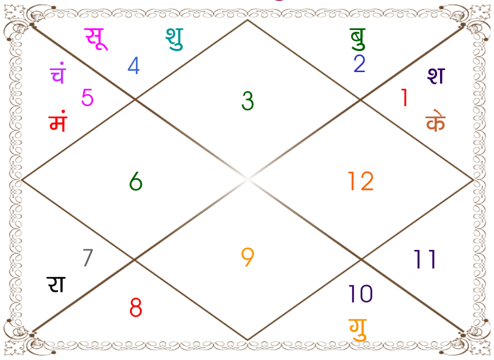

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 3 मास 12 दिन

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
09/10/1962	**21/01/1969**	**21/01/1987**	**21/01/2003**	**21/01/2022**
21/01/1969	**21/01/1987**	**21/01/2003**	**21/01/2022**	**21/01/2039**
09/10/1962	राहु 04/10/1971	गुरु 10/03/1989	शनि 24/01/2006	बुध 18/06/2024
राहु 07/07/1963	गुरु 26/02/1974	शनि 22/09/1991	बुध 03/10/2008	केतु 16/06/2025
गुरु 12/06/1964	शनि 02/01/1977	बुध 27/12/1993	केतु 12/11/2009	शुक्र 16/04/2028
शनि 22/07/1965	बुध 23/07/1979	केतु 03/12/1994	शुक्र 11/01/2013	सूर्य 20/02/2029
बुध 19/07/1966	केतु 09/08/1980	शुक्र 03/08/1997	सूर्य 24/12/2013	चंद्र 22/07/2030
केतु 16/12/1966	शुक्र 10/08/1983	सूर्य 23/05/1998	चंद्र 26/07/2015	मंगल 20/07/2031
शुक्र 15/02/1968	सूर्य 04/07/1984	चंद्र 22/09/1999	मंगल 03/09/2016	राहु 05/02/2034
सूर्य 22/06/1968	चंद्र 03/01/1986	मंगल 27/08/2000	राहु 11/07/2019	गुरु 13/05/2036
चंद्र 21/01/1969	मंगल 21/01/1987	राहु 21/01/2003	गुरु 21/01/2022	शनि 21/01/2039

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
21/01/2039	**21/01/2046**	**21/01/2066**	**21/01/2072**	**21/01/2082**
21/01/2046	**21/01/2066**	**21/01/2072**	**21/01/2082**	**00/00/0000**
केतु 19/06/2039	शुक्र 22/05/2049	सूर्य 10/05/2066	चंद्र 21/11/2072	मंगल 19/06/2082
शुक्र 18/08/2040	सूर्य 23/05/2050	चंद्र 09/11/2066	मंगल 22/06/2073	राहु 09/10/2082
सूर्य 24/12/2040	चंद्र 21/01/2052	मंगल 17/03/2067	राहु 22/12/2074	00/00/0000
चंद्र 25/07/2041	मंगल 22/03/2053	राहु 09/02/2068	गुरु 22/04/2076	00/00/0000
मंगल 21/12/2041	राहु 22/03/2056	गुरु 27/11/2068	शनि 21/11/2077	00/00/0000
राहु 09/01/2043	गुरु 21/11/2058	शनि 09/11/2069	बुध 22/04/2079	00/00/0000
गुरु 16/12/2043	शनि 21/01/2062	बुध 15/09/2070	केतु 21/11/2079	00/00/0000
शनि 24/01/2045	बुध 21/11/2064	केतु 21/01/2071	शुक्र 22/07/2081	00/00/0000
बुध 21/01/2046	केतु 21/01/2066	शुक्र 21/01/2072	सूर्य 21/01/2082	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 3 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म श्रवण नक्षत्र के तृतीय चरण में मकर लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन नवमांश एवं वृषभ द्रेष्काण भी उदित था। फलस्वरूप आपके जन्म के साथ-साथ लक्ष्मी और सरस्वती दोनों का शुभागमन की स्थापना हो रही है। अर्थात् आपका जीवन ज्ञान और लक्ष्मी दोनों से युक्त रहेगा। देवी-देवता द्वारा ज्ञान एवं लक्ष्मी की वृद्धि आपके पक्ष में होगी। आपका जीवन सुखी एवं आनंदपूर्ण रहेगा। आप बहुत बड़ी भाग्यशाली हैं। आपके पति आकर्षक एवं घर-परिवार को सुव्यवस्थित रखने वाले तथा संतान समझदार होंगे।

आप गायन कला की गहन शिक्षा प्राप्त कर गायन कला में निपुणता प्राप्त कर आप अपने कर्म क्षेत्र का विस्तार करेंगी। साथ ही ज्योतिष एवं गणितीय शिक्षा में सर्वथा संभाव्य अभिरूचि रखेंगी। आपके सामान्य ज्ञान की छाप बहुत लोगों पर प्रभाव डालेगी तथा जो व्यक्ति आपसे संबंधित रहेंगे। वे लोग आपके पास पहुंच कर, वे बहुत विषयों से संबंधित आपकी राय एवं निर्देशन प्राप्त करेंगे।

अतएव आप संबंधित व्यक्ति द्वारा धन का संचय करेंगी। आप भाग्यशाली हैं। आप अपने जीवन की आयु के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष के मध्य सर्वाधिक लाभ उपार्जन हेतु उंची छलांग लगाकर अपनी जड़ को सुदृढ़ कर लेंगी। आप ऐसी आशा कर सकती हैं कि आप अपने अंतर्ज्ञान एवं आंतरिक अपार शक्ति के सम्मिलन से अतिरिक्त धन प्राप्ति एवं समृद्धि हेतु अपनी क्षमता के अनुरूप कठिन श्रम करेंगी। आप अपनी आत्मिक शक्ति के आधार पर किसी भी प्रकार के कार्य व्यवसाय के पीछे पड़ कर कार्यारंभ कर सकेंगी। चाहे कितनी भी मुश्किलें आएं। आप उसका सामना करेंगी। आप किसी भी विषय पर बहुत अधिक चिंता करती हैं। आप इन चिंताओं का परित्याग करे अन्यथा कुछ वर्षों के बाद आपको पाचन क्रिया की विकृत्ति जैसी समस्याओं को झेलना पड़ेगा। आपको कतिपय रोगादि के प्रति सतर्क रहना चाहिए। यथा उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति में बृद्धि, गठिया संबंधित रोग जनित पीड़ा एवं क्षय रोगादि के कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप इन विंदुओं पर समय-समय पर चिकित्सा संबंधी जांच कराती रहें।

आप दानशील प्रवृति की प्राणी हैं। आप उदारभाव से संस्थाओं को दान करेंगी तथा स्वयंसेवी होकर सामाजिक सेवा करेंगी। आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्रवृति की प्राणी होकर अनेक तीर्थस्थलों का भ्रमण करेंगे।

आपके लिए अंकों में उत्तम अंक 6, 8 एवं 9 अंक लाभप्रदायक होगा। परंतु अंक 3 का सर्वथा त्याग करे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन उत्तम फलदायी है। परंतु रविवार, सोमवार एवं बृहस्पतिवार का दिन आपके लिए समस्याग्रस्त रहेगा। अतएव इन दिनों का परित्याग करें।

आपके लिए रंगों में पीला एवं क्रीम रंग सर्वथा अनुपयुक्त है। आपके लिए व्यवहारणीय रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग उपयुक्त है।